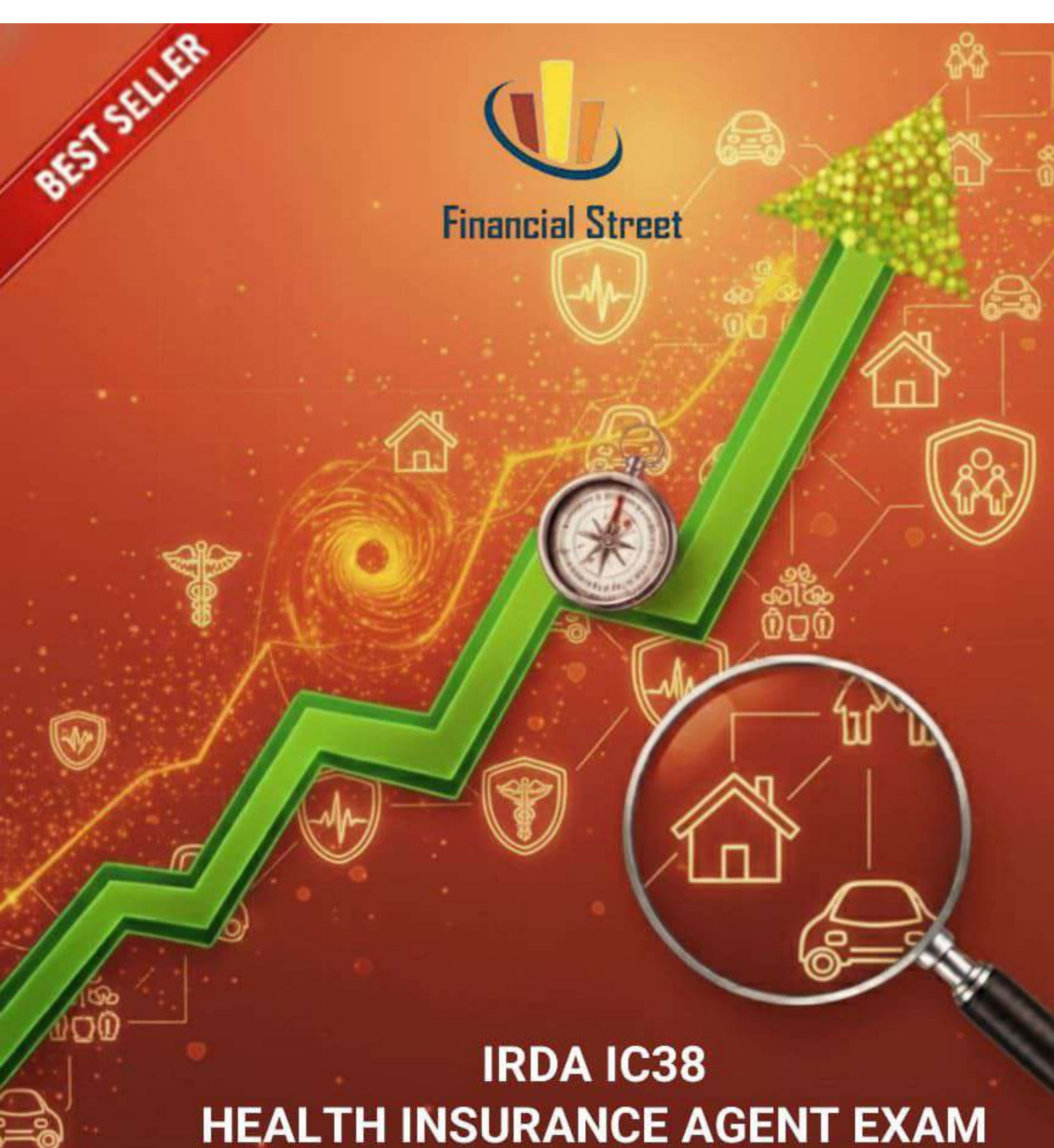


BEST SELLER



Financial Street



**IRDA IC38
HEALTH INSURANCE AGENT EXAM
MOCK TEST**

2026 Edition



Why Financial Street

- 1 Get MCQ(Multiple Choice Question) in PDF
- 2 Delivery(PDF) With in 5 Min In Your Email Account
- 3 Easy to Study on Desktop/Mobile
- 4 Easy to Study Offline/Online
- 5 Clear Your Exam in Very First Attempt
- 6 Excellent Passing/Success Rate
- 7 Give Exam with High Confidence
- 8 Regularly Updated
- 9 Variety of Question & Answers
- 10 Join Free Demo

Testimonial

"I was apprehensive about appearing for the IC 38 Health Insurance exam, but this mock test actually boosted my confidence. The questions were extremely close to the actual exam, and the explanations provided after every question gave me insight into my errors. Due to the mock test, I cleared the exam in the first attempt! Highly recommend this tool to anyone studying."

*Ravi Shaky (Mumbai)
Insurance Advisor*

Secured & Verified BY



instamojo



GoDaddy

Limited Time Offer



Buy IRDA IC38 Health Insurance Mock Test



Get Free Stock Market Premium Course (Videos)

Save 12000/- Rs.

(No Hidden Fees)

OUR SUCCESS STORIES

कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक बढ़े मल्टीबैगर स्टॉक बन रहे निवेशकों की पहली पसंद



विकास शर्मा, सीईओ,
फाइनेंशियल स्ट्रीट

ग्यालियर. आप सभी ने राकेश झुनझुनवाला और वॉरेन बफेट का नाम सुना होगा, जिन्हें बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने मल्टीबैगर स्टॉक में अपार सफलता पाई। कोविड-19 के बाद भारतीय निवेशक तेजी से बाजार में बढ़ रहे हैं, जिनका रुझान अब डे ट्रेडिंग से हटकर मल्टीबैगर स्टॉक की तरफ जा रहा है। मल्टीबैगर स्टॉक मतलब जो आपको लम्बी अवधि में बेहतर रिटर्न दे। उदाहरण के तौर पर किसी ने [REDACTED] में सन् 1980 में 10 हजार का निवेश किया होता तो 2017 में 452 करोड़ रुपए अर्न किए होते। इसी प्रकार किसी ने [REDACTED] में 2006 में 1 लाख का निवेश किया होता तो आज साढ़े 3 करोड़ अर्न किए होते। मल्टीबैगर स्टॉक में सफलता पाने के लिए निवेशकों को कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करने वाली कंपनी को चुनें
निवेशकों को स्टॉक का चुनाव करने से पहले कंपनी का बिजनेस मॉडल समझना चाहिए। वहीं फंडामेंटली अच्छी रिवेन्यू वाली कंपनी जिनका नेट प्रॉफिट और पीई/ईपीएस स्ट्रॉन्ग हो, उसका चुनाव करें। कोशिश करें कि कंपनी कर्ज मुक्त हो और अच्छी कैश फ्लो मेंटेन करती हो। अगर डिविडेंड देती हो तो बहुत ही अच्छा है। टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल सही समय पर एंट्री के लिए करें। अच्छी रिस्क रेवाइड वाली कंपनी खरीदें और धैर्य बनाए रखें।

इन्वेस्टर-ट्रेडर बनकर करें स्टॉक मार्केट में फ्यूचर ब्राइट, बिजनेस के साथ जॉब के भी विकल्प



शे पर बाजार का फ्रेज लगाकर बढ़ रहा है। ट्रेडिंग इंडस्ट्री के फिलॉसफ के साथ इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। आज युवा से लेकर वरिष्ठ निवेशक तक स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में इंटरेस्ट दिखा रहे हैं। मकसद ट्रेडर व इन्वेस्टर बनने के लिए किसी प्रोफेशनल ट्रेडर की जरूरत नहीं होती, लेकिन फंडामेंटल स्ट्रेटजी, फंडामेंटल एनालिसिस और टेक्निकल एनालिसिस का बेसिक नॉलेज होना चाहिए। यदि आपके पास पैसा, फाइनेंस, अकाउंटिंग, एडमिनिस्ट्रेशन व इंडस्ट्री में रिकॉर्ड है तो बहुत अच्छा रहेगा। आज कच्ची संख्या में लोग इन्वेस्टर और ट्रेडर बन अपने करियर संवार रहे हैं।

एक नजर में

- प्रोफेशनल ट्रेडर की परामर्श की ज़रूरत होती है। कोलेज की डिग्री आवश्यक एक क्वालिफिकेशन है।
- पैरेंट्स का सपोर्टिव बर्ताव जरूरत है।
- बांध न्यायिक के नाम पर भी अकाउंट खोल जा सकता है।
- इन्वेस्टमेंट एडवाइजरों या किसी वरिष्ठ निवेशक के साथ में काम करने के लिए सर्टिफिकेट होना चाहिए।

एनालिटिकल रिस्क और रिसर्च जरूरी

इस फील्ड में अच्छी एनालिटिकल रिस्क, स्टॉक माइंड और रिसर्च विकल्प जरूरी है। इनके अलावा स्टॉक ट्रेडिंग प्रैक्टिस करने और खेले की जानकारी होने के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री की जानकारी भी होनी चाहिए। मार्केट में अने वाले नए प्रोडक्ट्स, उनके अंतर-व्यतिरिक्त से जुड़ी सेक्टर जानकारी आवश्यक है। प्रेयर होना करना चाहिए। इस फील्ड में एक्सपर्ट बनने के लिए अच्छी कम्यूनिटी रिस्क रिस्क एडवाइजर और फंडामेंटल इंडस्ट्री की जानकारी संचयन दिख सकती है।

यहां भी मौके

- स्टॉक मार्केट में आप कई फील्ड पर काम कर सकते हैं। इनमें स्टॉक ब्रोकर, फाइनेंशियल एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट एडवाइजर, फंडामेंटल एनालिसिस मैनेजर, रिस्क, रिस्क एनालिसिस, ऑनलाइन स्टॉक ट्रेडिंग, फाइनेंशियल एनालिसिस, इन्वेस्टमेंट एनालिसिस, मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, डिस्ट्रिब्यूटर, एडवाइजर, इन्वेस्टमेंट डिस्ट्रिब्यूटर एडवाइजर।

निवेश से पहले अच्छे से होमवर्क कर लें इन्वेस्टर

आप केयर बाजार में निवेश करते हैं तो यहां से अच्छा रिटर्न पाना आसान नहीं है। अगर आपका इन्वेस्टमेंट सही जगह होता है तो मल्टीबैगर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। अगर इन्वेस्टमेंट का फसला जल्दबाजी में लिख जता है तो कई बार अच्छे रिविजिट रिटर्न के लिए लंबे समय के लिए इंतजार करना होता है। इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स इनका से बैचु इन्वेस्टिंग की एडवाइज देते हैं। उनकी सलाह होती है कि निवेशकों को निवेश से पहले अपना होमवर्क अच्छे से करना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर
रिसर्च पर फोकस करें

एकदम एकदम फाइनेंशियल के साथ अच्छी एनालिटिकल रिस्क, स्टॉक माइंड और रिसर्च रिस्क होना चाहिए। स्टॉक ट्रेडिंग बिकल्प करने और खेले की जानकारी के साथ अलग-अलग सेक्टर और इंडस्ट्री के बारे में ज्ञान होना जरूरी है। मार्केट के उतार-चढ़ाव और उससे होने वाले कार्यों के बारे में ज्ञान होना जरूरी है।
संजय खत्री, सीनियर वेंचर कैपिटलिस्ट मैनेजर

अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें

एनएसई के अनुसार 80 से 90 प्रतिशत लोग ऑप्शन ट्रेडिंग व डे ट्रेडिंग में नुकसान उठाते हैं। इसलिए लम्बी अवधि के लिए अच्छे स्टॉक पर निवेश करें। फर्जी यूट्यूब चैनल व टेलीग्राम चैनलों से बचें। अपने निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें।

म्यूचुअल फंड एजेंट बनें, दूसरों को एडवाइज देने के साथ खुद की भी अच्छी अर्निंग करें

सम के साथ म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का सबसे एक्टिव खिंचाव बन रहा है। हालांकि, इसमें शामिल होने की प्रक्रिया सामान्य लोगों के लिए कठिन है। लोग अपने नो निवेश करने से डरते हैं। इसलिए उन्हें प्रोफेशनल एक्सपर्ट की हिमायत रहनी है। उनके लिए म्यूचुअल फंड एजेंट से संपर्क करके अब जल्दता बनाया जा रहा है। कच्ची संख्या में लोग इन एजेंट को हथकड़ी कर रहे हैं। यह डिस्टेंस अपने खले समय में और बढ़ेगा। यानी अपने युवाओं के लिए म्यूचुअल फंड एजेंट की मांग रहेगी। युवा इनमें अपना करियर बन सकते हैं।

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से बढ़ा रोजगार का दायरा

विदेशी खिलाड़ियों के प्रवेश से इस क्षेत्र में रोजगार का दायरा बढ़ा है। एक म्यूचुअल फंड एजेंट जिसके पास डिपेंडेंसी और डेट सपोर्ट की अच्छी जानकारी है, उसकी मांग बहुत ज्यादा है। म्यूचुअल फंड एजेंट किसी भी युवाओं से अपने खले नो निवेश को निवेश करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इनमें से कुछ निवेश, बिजनेस, उपहार विकास, निवेश, मानव संसाधन, लॉजिस्टिक्स और प्रबंधन स्तरों के अनुसंधान हैं।



अतिरिक्त इनकम का विकल्प हो सकता है आपके पास

यदि आप म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं तो आपके पास एक अतिरिक्त इनकम का विकल्प होगा। फुल टाइम या पार्ट टाइम भी कर सकते हैं। आप लोगों को जरूरत के अनुसार म्यूचुअल फंड बेचें और उससे कमिशन कमाने का एक विकल्प शुरू कर सकते हैं। आप ऑनलाइन वेबसाइट व बर्ताव बनकर घर बैठे ही काम कर सकते हैं।

तेजी के साथ लोकप्रिय हो रहा म्यूचुअल फंड

देश में म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा तेजी से लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है। ऐसे में अगर आप एक म्यूचुअल फंड एजेंट बनते हैं और पूरी समझ और मेहनत से लोगों को सही म्यूचुअल फंड का चुनाव करने में उनकी मदद करते हैं तो यह आपके लिए बहुत अच्छा करियर साबित हो सकता है। म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए आपको एनएचएसएल से सी-एफएफएलएन एजेंट सर्टिफिकेट होना होगा।

विकास शर्मा, फाउंडर, फाइनेंशियल स्ट्रीट



एजेंट बनने में पढ़ाई की कोई बाधा नहीं

म्यूचुअल फंड एजेंट बनने के लिए पढ़ाई की कोई बाधा नहीं है। यदि आप जवाब 10वीं तक भी पढ़ें हैं तो एनएचएसएल के लिए रिजल्टेशन करा सकते हैं। आपको पास मुख्य डीप्लोमेन में पैर वर्क और आगरा काई होना अनिवार्य है।

ये होता है वर्क

- निवेशकों को बाजार में उपलब्ध विभिन्न योजनाओं से अवगत कराना।
- अपना क्लीयरेंस उदासीन की तुलना में निवेश के लिए म्यूचुअल फंड योजनाओं की जानकारी को स्पष्ट करना।
- निवेशकों को म्यूचुअल फंड खरीदने, रिविजिट, रिडेमप्शन से संबंधित लेवने करने में मदद करना।
- निवेश के प्रदर्शन पर अप्रत्यक्ष निवेशकों का मार्गदर्शन करना।

QUES 1:- In which of the following part of India, a practise similar to the Bottomary loans as in Babylonian traders were exist?

- A- Surat
- B- Bharuch
- C- Both A & B
- D- None of the above

Ans- C

Explanation: In Bharuch and Surat practise similar to the Bottomary loans as in Babylonian traders were exist.

QUES 2:- Which of the following is the first Indian insurance company established in India?

- A- Bombay Mutual Assurance Society limited
- B- Triton Insurance Company limited
- C- The oriental life insurance company limited
- D- National Insurance company limited

Ans- A

Explanation: Bombay Mutual Assurance Society limited was the first Indian insurance company established in 1870 in Mumbai.

QUES 3:- With respect to the insurance, what the term 'peril' means?

- A- Insurance premium
- B- Insured loss amount
- C- The chances of risk
- D- Cause of risk event

Ans- D

Explanation: The cause of risk event is known as 'peril'.

QUES 4:- The individual contribution in case of insurance is known as?

- A- Instalment
- B- Premium
- C- Pooling
- D- None of the above

Ans- B

Explanation: In case of insurance, insurers collect individual contributions (premium) from various persons to make a pool of fund.

QUES 5:- Which of the following is direct and measurable?

- A- Primary burden of risk
- B- Secondary burden of risk
- C- Both A & B
- D- None of the above

Ans- A

Explanation: Primary burden of risk are direct and measurable and also easy to compensate by insurance.

QUES 6:- Controlling risk by avoiding a loss situation is known as?

- A- Risk eliminations
- B- Risk avoidance
- C- Risk retention
- D- Risk reduction

Ans- B

Explanation: Controlling risk by avoiding a loss situation is known as risk avoidance.

QUES 07:- Consider the following statement and state whether it is true/false?

Statement: Risk financing can be done either by risk retention through self-financing or risk transfer to another party.

A- True

B- False

Ans- A

Explanation: Risk financing can be done in following ways-

- Risk retention through self-financing
- Risk transfer to another party

QUES 8:- What does IGMS stand for in the context of the insurance sector in India?

A- Insurance Grievance Management System

B- Internal Grievance Monitoring Service

C- Integrated Grievance Management System

D- Internal Grievance Management System

Ans- C

Explanation: IRDA has launched an Integrated Grievance Management System (IGMS) for monitoring grievance redress in the industry.

QUES 9:- Which of the following are the elements of trust?

- A- Attraction
- B- Being present
- C- Communication
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: Following are the elements of trust- Attraction, Being present, Communication.

QUES 10:- Which of the following is the determinants of Health?

- A- Lifestyle factor
- B- Environmental factors
- C- Generic factors
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: Following are the determinants of Health- Lifestyle factor, Environmental factors, Generic factors.

QUES 11:- What is ASHA?

- A- Accredited Social health activist
- B- Applicable Social health activist
- C- Alternate Social health activist
- D- None of the above

Ans- A

Explanation: ASHA is Accredited Social health activist.

QUES 12:- Which of the following is not a category of healthcare in India?

- A- Primary healthcare
- B- Secondary healthcare
- C- Tertiary healthcare
- D- Central healthcare

Ans- D

Explanation: Following are the category of healthcare in India- Primary healthcare, Secondary healthcare, Tertiary healthcare.

QUES 13:- What is TPA?

- A- Third party assurance
- B- Triple party administrator
- C- Third party administer
- D- None of the above

Ans- C

Explanation: TPA is Third Party Administrator.

QUES 14:- Claims under indemnity policy can be?

- A- Cashless claim
- B- Reimbursement claims
- C- Both A & B
- D- None of the above

Ans- C

Explanation: Claims under indemnity policy can be cashless or reimbursement claim.

QUES 15:- Which of the following is the objective of IRDAI?

- A- Maintain order in insurance sector
- B- Protect policy holder's interest
- C- Ensure long term financial health of insurers.
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: Followings are the objective of IRDAI: Maintain order in insurance sector, Protect policy holder's interest, Ensure long term financial health of insurers.

QUES 16:- Underwriting is the process of?

- A- Risk selection
- B- Risk pricing
- C- Both A & B
- D- None of the above

Ans- C

Explanation: Underwriting is the process of risk selection and risk pricing.

QUES 17:- Consider the following statement regarding the withdrawal of medical insurance product and state whether it is true/false?

Statement: The withdrawn product can be offered to the prospective customers.

A- True

B- False

Ans- B

Explanation: With respect to the withdrawal of medical insurance product, as per the regulations, the withdrawn product shall not be offered to the prospective customers.

QUES 18:- Which of the following is the purpose of underwriting?

A- To prevent anti selection

B- To classify risk

C- Both A & B

D- None of the above

Ans- C

Explanation: Underwriting has the following 2 purposes:

To prevent anti-selection that is selection against the insurer

To classify risks and ensure equity among risks

QUES 19:- In case of medical insurance, which of the following is not a risk classification while underwriting?

- A- Standard risk
- B- Preferred risk
- C- Declined risk
- D- Permanent risk

Ans- D

Explanation: In case of medical insurance, following are the risk classification while underwriting-

- Standard risk
- Preferred Risk
- Declined Risk
- Substandard Risk

QUES 20:- Which of the following is different?

- Critical illness policy
- Dreaded disease cover
- Trauma care cover
- None of the above

Ans- D

Explanation: Critical illness policy is also known as dreaded disease cover or a trauma care cover.

QUES 21:- Which of the following is a category of health insurance products?

- A- Indemnity covers
- B- Fixed benefit covers
- C- Critical illness covers
- D- All of the above

Ans- D

Explanation: Health insurance products can be broadly classified into the following categories: Indemnity covers, Fixed benefit covers, Critical illness covers.

QUES 22:- Consider the following statement and state whether it is true/false?

Statement: It is the legal obligation that insurer should advise the insured while his or her policy is due to expire.

- A- True
- B- False

Ans- B

Explanation: There is no legal obligation that insurer should advise the insured while his or her policy is due to expire.

QUES 23:- Consider the following statement and state whether it is true/false?

Statement: As per the insurance Act, premium should not be paid in advance.

A- True

B- False

Ans- B

Explanation: As per the insurance Act, premium should be paid in advance, before insurance cover starts.

QUES 24:- The process of scrutinizing the proposal and deciding about acceptance is known as

A- Risk analysis

B- Risk assessment

C- Underwriting

D- None of the above

Ans- C

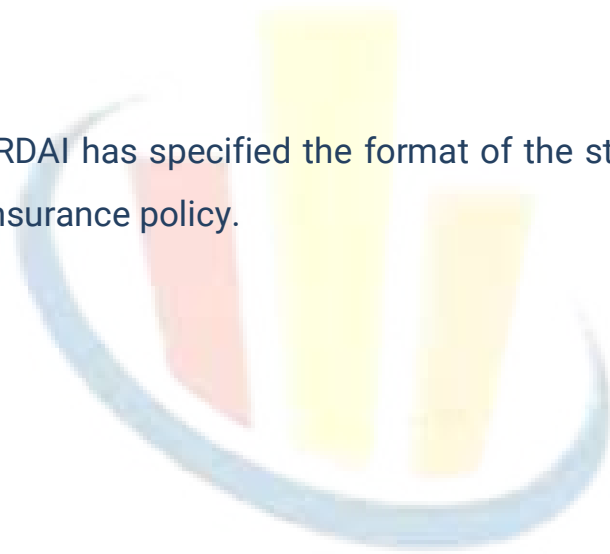
Explanation: The process of scrutinizing the proposal and deciding about acceptance is known as underwriting.

QUES 25:- Which of the following has specified the format of the standard declaration in the health insurance policy?

- A- SEBI
- B- IRDAI
- C- It is not specified
- D- None of the above

Ans- B

Explanation: IRDAI has specified the format of the standard declaration in the health insurance policy.



Financial Street



TIMES OF INDIA

Vikas Sharma
Founder
Financial Street



Youth in India Embrace Stock Market Investments

The financial world is changing so fast and everyone wants to be on the profit side. That's why individual investors and students regularly take investor awareness programmes. Recently, IAP was conducted at a private management college in Gwalior where individual investors and management students learn about the post-effect of covid -19 on jobs economy and investment.

As we all know, The Covid-19 pandemic was the worst crisis since World War-2. Financial, social, and other consequences of COVID-19 will remain for many years. But as we know, everything has its pros and cons. In Indian History, for the first time ever, Demat Account across 10 Core. The Coronavirus badly hit the stock market all over the world, but the Indian economy witnessed a new investment trend. According to the data. Before Covid-19 in March 2020, there were 4 crore demat accounts and only in 2-3 years 6 crores of new accounts were reported.

As a country with the largest young population, expecting a booming economy, Indian young investors show an unprecedented degree of financial prudence. Most young investors directly invest in the market, without having proper knowledge.

You must have heard of Rakesh Jhunjhunwala and Warren Buffett, we know them as a big bull. They have made billions of dollars in the financial market. They used time as money and converted their money into wealth.

Benjamin Graham, known as the 'Father of Investment,' famously stated, "Investing in knowledge yields the most profitable interest."

According to NSE, 80 to 90 percent of investors lose their hard-earned money in option and day trading. Beware of fraud on YouTube and telegram channels. Atleast invest 10% in education of your investment.

HOW TO SELECT A MULTI-BAGGER STOCK?

Before selecting a multi-bagger stock, investors must investigate the business.

HERE ARE SOME KEY FACTORS FOR SELECTING MULTI-BAGGER STOCKS:

• **Strong Management:** A business cannot succeed without strong management. Look at multiple aspects, like diversion of funds, pledging of shares, board independence, discipline, and obligation.

• **Promoter Holding:** Find a stock that has good promoter holding which shows promoter confidence in their business.

• **Good Earning:** An investor earns money when the company makes profits. Keep your eyes on the PE ratio and EPS.

Another crucial element lies in the marginal allocation of funds. Utilising technical analysis for enhanced timing and upholding a robust risk management strategy are imperative. For instance, a group of acquaintances invested 1,000 rupees in [REDACTED] in 1980, which burgeoned to 1894 crores by 2021.

तीन साल में ढाई गुना बढ़े डीमैट एकाउंट पहले पढ़ें फिर निवेश की सोचें, वरना हो सकता है नुकसान

एक्सपर्ट स्टोरी



विकास शर्मा
फाउंडर
फाइनेशियल स्ट्रीट

मल्टी बैगर स्टॉक कैसे चुनें

मजबूत प्रबंधन- कोई व्यवसाय मजबूत प्रबंधन के बिना सफल नहीं हो सकता। कई पहलुओं फंड का डायवर्सन, शेयरों को गिरवी रखना, बोर्ड की स्वतंत्रता, अनुशासन व दायित्व पर गौर करें।

प्रमोटर होल्डिंग- ऐसा स्टॉक ढूँढ़ें, जिसमें अच्छी प्रमोटर होल्डिंग हो जो प्रमोटर को उनके व्यवसाय में विश्वास दिखाता हो।

अच्छी कमाई- एक निवेशक तब पैसा कमाता है, जब कंपनी मुनाफा कमाती है। पीई अनुपात और ईपीएस पर अपनी नजर रखें।

आपने राकेश झुनझुनवाला और वारन बफेट का नाम तो सुना ही होगा। इन्हें हम बिग बुल के नाम से भी जानते हैं। उन्होंने वित्तीय बाजार में अरबों डॉलर की संपत्ति बनाई है। उन्होंने समय का उपयोग धन के रूप में किया और अपने धन को संपत्ति में बदल दिया। पिछले तीन वर्षों से युवा निवेशकों को शेयर बाजार में रुचि लेते देखा है। कोरोना ने पूरी दुनिया के शेयर बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश का नया रुझान देखने को मिला। आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2020 में 4 करोड़ डीमैट खाते थे और वहीं वर्तमान में 10 करोड़ से अधिक डीमैट खाते खुल चुके हैं।

निवेश का 10 प्रतिशत शिक्षा में खर्च करें : एनएसई के मुताबिक 80 से 90 फीसदी निवेशक ऑप्शन और डे ट्रेडिंग में अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। यूट्यूब और टेलीग्राम चैनलों पर धोखाधड़ी से सावधान रहें। अपने निवेश का कम से कम 10 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करें।

बढ़ती अर्थव्यवस्था के युवा दिखा रहे प्रतिभा

सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के रूप में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की उम्मीद करते हुए भारतीय युवा निवेशक अपनी प्रतिभा दिखाते हैं। अधिकांश निवेशक उचित जानकारी के बिना सीधे बाजार में निवेश करते हैं, जो कि गलत है। निवेश से पहले अध्ययन बहुत जरूरी है।



शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचें



विकास शर्मा

निवेश के क्षेत्र में धैर्य सिर्फ एक गुण नहीं बल्कि सफलता की कुंजी भी है। शेयर बाजार में जल्दबाजी से बचना आपके वित्तीय परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। शेयर बाजार में जल्दबाजी में लिए गए निर्णय अक्सर त्वरित लाभ की इच्छा से प्रेरित होते हैं। निवेशक ऐसे शेयरों का पीछा करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जबकि इससे अल्पकालिक लाभ मिल सकता है। आप शेयर बाजार में फायदा ले सकते हैं, लेकिन इसके लिए आपको दीर्घकालिक निवेश रणनीति का पालन करना होगा। अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाकर, जोखिमों का प्रबंधन करके आप अपनी वित्तीय स्थिरता को बढ़ा सकते हैं और समय के साथ अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। धन निर्माण में सबसे शक्तिशाली शक्तियों में से एक चक्रवृद्धि व्याज है। आय को पुनर्निवेशित करके और समय के साथ उन्हे अधिक आय उत्पन्न करने की अनुमति देकर, निवेशक अपनी संपत्ति को तेजी से बढ़ा सकते हैं। इस दृष्टिकोण के लिए धैर्य और लंबे समय तक निवेशित रहने की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। सफल निवेशक अक्सर एक स्पष्ट वित्तीय योजना के साथ शुरुआत करते हैं, जो उनके लक्ष्यों, जोखिम, सहनशीलता और निवेश क्षितिज को रेखांकित करती है। प्राप्त करने योग्य उद्देश्य निर्धारित करके और समय-समय पर अपनी प्रगति की समीक्षा करके, निवेशक निवेश के दीर्घकालिक लाभों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। बाजार के रुझानों, आर्थिक संकेतकों और कंपनी की बुनियादी बातों के बारे में अच्छी तरह से जानकारी रखना, निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए जरूरी है।

शेयर मार्केट कई क्षेत्रों में प्रोफेशनल्स की जरूरत

बाजार की नब्ज टटोलने का हुनर दिलाएगा कामयाबी

EXAM विप्रेर
patnaka.com

भोपाल, बॉम्बे के दौर में जहां रोजगार देने वाले बड़े सेक्टर को हलचल खागम चल रही है, वहीं शेयर मार्केट में उनके मुकाबले निवेश करने वालों की स्थिति अच्छी रही है। इसे देखते हुए भविष्य में इस सेक्टर में रैफ़र होमार, मॉडर्न मार्केट एनलिसिस और कई जानकारी लेनी की जरूरत महसूस की जा रही है। इन क्षेत्र में एक्सपर्ट के लिए बड़े संघागण हैं। कई संस्थानों में इसके अलग-अलग कोर्स हैं।

शेयर मार्केट में बड़े कुशल भाव के प्रदर्शन के मद्देनजर कुछ अंश का स्थान बढ़ा है। एक निजी कंपनी में स्टॉक ऑप्शन का काम देख रहे संजय कुमार ने बताया, जहां कई निवेश कार्यक्रम और वित्तीय सलाहकार कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इनके माता बहन जॉन के बड़े भोके हैं। इस क्षेत्र में प्रोग्रेस को देखते हुए एक्सपर्ट, सीए, आईआईएमएल, इस ओर रुख कर रहे हैं। स्टॉक एक्सचेंज से मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट होल्डर्स अपना भविष्य बना रहे हैं। शेयर बाजार में रोजगार की बात करें तो मुख्य रूप से इकोनॉमिस्ट, जर्नालिस्ट, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनालिस्ट, क्रेडिटल मार्केट एनलिसिस के रूप में कुछ जगह हैं।

कोर्स और योग्यता

शेयर बाजार से जुड़ने के लिए कल रहे विभिन्न पोस्ट टेनुएट प्रोग्राम के लिए अर्चना की जा सकती है। कुछ संस्थानों में प्रवेश के लिए 50 प्रतिशत अंक से स्नातक उत्तीर्ण अर्चना के लिए एक या दो वर्षों डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स हैं। केवल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित



प्रमुख संस्थान

- मुंबई स्टॉक एक्सचेंज ट्रेडिंग इंस्टीट्यूट मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट प्रेक्चरमेंट्स, नई दिल्ली
- ब्रूटोब्राइड इंस्टीट्यूट ऑफ कैपिटल मार्केट, नवी मुंबई
- ग्रेडोवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च, नासिक
- यूनि विश्वविद्यालय, पुणे
- जेएनपीएसएलएल, हैदराबाद

शेयर मार्केट के फील में कई हिस्से

शेयर मार्केट में कई फील हैं। हर एक में बेस्ट कैरियर बनाना जा सकता है। बाजार का विश्लेषण करने के साथ बचत और इसमें कई हिस्से हैं। बाजार प्रोफेशनल्स की जरूरत है। शेयर मार्केट में इन्वेस्ट करने वालों के लिए सलाहकार के रूप में भी काम किया है। एक्सपर्ट के रूप में काम के लिए इस क्षेत्र में काफी स्कोप है।

आश्विन मगर, गैर वीएलए, एनएलए

विश्लेषण करने वालों की भी जरूरत

शेयर बाजार में कई तरह के कैरियर के अवसर मौजूद हैं। इकोनॉमिस्ट, अनाउंसर, फाइनेंशियल एनालिस्ट, इन्वेस्ट एनलिसिस, कैपिटल मार्केट एनलिसिस, प्रमुख चलती



समझदारी से करें रुपये का प्रबंधन, निवेश जरूरी

आज के डिजिटल युग में वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है, खासकर भारत में जहां लाखों लोग वित्तीय मामलों से अनजान हैं। इसमें समझदारी से पैसे का प्रबंधन करना, बचत, निवेश, ऋण, बीमा, पेंशन योजना और अन्य वित्तीय उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान करना शामिल है। भारत में समृद्धि और विकास की



विकास शर्मा,

दिशा में आगे बढ़ने के लिए, सरकार, वित्तीय संस्थानों और अन्य संगठनों

को वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। वित्तीय साक्षरता के लाभों में वित्तीय स्वतंत्रता, उचित ऋण प्रबंधन, बचत और निवेश, वित्तीय धोखाधड़ी से सुरक्षा और जन धन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा सरकारी योजनाओं के लाभ शामिल हैं। हाल ही में सेबी ने वित्तीय साक्षरता के लिए एनआईएसएम के साथ एक मुफ्त प्रमाणन कार्यक्रम शुरू किया है

करियर कोरोना के बाद बढ़ी डिमांड, अब 30 साल के युवा भी करा रहे इश्योरेंस सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित, सैलरी के साथ कई फायदे

एक नजर में

- इश्योरेंस इंडस्ट्री का विकास काफी तेजी से हो रहा है। पीपल स्किल्स और सोलिंग स्किल्स वाले लोगों के लिए कार्य और अवसर समय के साथ बढ़ते जा रहे हैं।
- आने वाले 10 वर्षों में इंडस्ट्री का विकास अपने चरम पर होगा। युवाओं के लिए इश्योरेंस सेक्टर भावी करियर के तौर पर देखा जा रहा है।
- पुणे में एनआई जैसे कई प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट्स हैं, जो स्टूडेंट्स को इश्योरेंस में बेहतरीन कोर्सिंग ऑफर करते हैं।
- बिरला स्कूल्स और आईसीएफआई जैसे इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के लिए रेगुलर और डिस्टेंस एजुकेशन दोनों में ही विभिन्न कोर्सिंग ऑफर करते हैं।

युवाओं के लिए ऐसा करियर ऑप्शन, जो खत्म नहीं होगा

सवा सौ करोड़ के देश में इश्योरेंस एजेंट का भविष्य सुरक्षित है। कोरोना के बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। लाइफ



इश्योरेंस, हेल्थ इश्योरेंस और जनरल इश्योरेंस के लिए आइसी-30 एग्जाम देना होता है। अलग-अलग कंपनी अपने हिसाब से सैलरी, इन्सेटिव और कमीशन देती है। युवाओं के लिए यह ऐसा करियर ऑप्शन है, जो कभी खत्म होने वाला नहीं है। यह उनके लिए बेहतर है, जिन्होंने कोई प्रोफेशनल डिग्री नहीं की है। बस आपको कम्प्यूटेशन स्किल अच्छी होनी चाहिए और सामाजिक दायरा बढ़ा होना चाहिए।

विकास शर्मा, फाइनेंशियल स्ट्रीट, ग्वालियर

इस समय देश में बूम पर है इश्योरेंस सेक्टर

इश्योरेंस का सेक्टर इस समय बूम पर है। कोरोना काल के बाद लोगों को इसकी अहमियत समझ आ गई है। सबसे ज्यादा



यूथ जो फ्री होकर अच्छी अर्निंग करना चाहता है, इस क्षेत्र में उसके लिए बहुत संभावनाएं हैं। एक एडवाइजर के तौर पर शुरुआत करके मैनेजर से लेकर अन्य पोस्ट तक पहुंच सकते हैं। इस फील्ड में जितना काम करेंगे उतना पैसा है। सपनों को पूरा करने के लिए एग्जाम क्लियर करना होता है।

प्रियंका जायसवाल, सीनियर रिक्रूटमेंट डबलपमेंट मैनेजर, जबलपुर

कोरोना के बाद से काफी अवेयर हुए हैं लोग

मैं पिछले 25 साल से इश्योरेंस एजेंट हूँ और इसी से मेरा घर भी चलता है और मैंने अपने बच्चों को इसी सेक्टर की अर्निंग से पढ़ा-लिखाकर काबिल भी बना दिया है। मैं समझता हूँ इश्योरेंस सेक्टर एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प है जो कहीं न कहीं आपको लोगों से जोड़ता भी है और अर्निंग के लिहाज से भी काफी बेहतर है। केवल इस सेक्टर में पार्ट टाइम जॉब न करते हुए सभी को फुल टाइम जॉब करना चाहिए। इश्योरेंस एजेंट बनकर आप लोगों को कहीं न कहीं हेल्थ और उनके परिवार के प्रति चिंतित करने के लिए सजग भी करते हैं। कोरोना के बाद से लोगों में इश्योरेंस को लेकर काफी जागरूकता भी आ गई है। ज्यादा से ज्यादा लोग अब बीमा कराने लगे हैं। पहले लोग इश्योरेंस पर ज्यादा भरोसा नहीं करते थे लेकिन अब अवेयर हो रहे हैं।

रविन्द्र रघुवंशी, एलआईसी एजेंट (फाइनेंशियल एडवाइजर), इंदौर

day special नेशनल इश्योरेंस अवेयरनेस डे कोरोना के बाद 27% तक बढ़े पॉलिसी धारक, इनमें युवा भी



इश्योरेंस आपको भविष्य के लिए सिक्वोर करता है। अधिकतर लोग लाइफ इश्योरेंस और हेल्थ इश्योरेंस को तो वेटेज देते हैं, लेकिन जनरल इश्योरेंस को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि यह भी बहुत जरूरी है। इश्योरेंस कंपनियों की माने तो कोरोना के बाद से लगभग 27 प्रतिशत पॉलिसी धारक बढ़े हैं और सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें 30 साल उम्र के युवा भी शामिल हुए हैं। इश्योरेंस अधिकारियों के अनुसार आम तौर पर लोग 40 वर्ष की आयु के बाद हेल्थ पॉलिसी लेते थे, जिसमें अब अवेयरनेस आई है।

कम उम्र के युवा दिखा रहे पॉलिसी में इंटेस्ट

फाइनेंशियल स्ट्रीट के फाउंडर विकास शर्मा ने बताया कोरोना के



बाद से इश्योरेंस सेक्टर की डिमांड बढ़ी है। अब 30 साल तक के युवा भी

हेल्थ पॉलिसी ले रहे हैं। हेल्थ और लाइफ इश्योरेंस की तरह जनरल इश्योरेंस भी बहुत जरूरी है, जो हम इंडियंस नहीं लेते। जनरल इश्योरेंस कराने वाले मामूली लोग हैं। जबकि यह बीमा हमारी रोज की समस्याओं का सॉल्यूशन है। लोग जब गाड़ी खरीदते हैं तब एजेंसी ही बीमा कराकर देती है। इसके बाद उसे रिनुअल कराने वाले लोगों का परसेंटेज काफी कम है।

भविष्य के लिए प्री प्लान करें इश्योरेंस

इश्योरेंस सेल्स ट्रेनर संजय धूपर ने बताया दुनिया में जरूरत पड़ने पर



हर चीज मिल सकती है, लेकिन इश्योरेंस नहीं। इसे लेने के लिए प्री प्लान करना होगा। इश्योरेंस पॉलिसी हर व्यक्ति को लेनी चाहिए। क्योंकि इससे परिवार का भविष्य सुरक्षित रहता है। हालांकि कोविड के कारण लोगों ने इसकी इम्पोर्टेंस को समझा और बेझिझक पॉलिसी ली। पिछले 50 साल में लोगों का इश्योरेंस का इतना झुकाव नहीं दिखा, जितना अभी हुआ है। लोगों ने टर्म प्लान और हेल्थ पॉलिसी को सबसे ज्यादा प्रिफर किया।

About Us

Financial Street is a well-recognized name in the financial market education. We are specializes in training investors and providing high quality training to investors and traders across the country. Our vision is to be the most sought after learning provider in the areas of finance and leadership learning.

Financial Street is a group of professionals; our educational program is anchored around that philosophy. Our program is guided by our vision and mission.

We Offer Mock Test Series



Contact Us

Financial Street

136, Mayur Nagar, Thatipur, Gwalior 474011(M.P.)

Email: contact.fstreet@gmail.com

Web: <https://www.financialstreet.in/>

Call: (91)-6264537290

About the Author

This Mock Test is developed by Mr. Vikas Sharma (Financial Analyst & Having more than 15 years' Experience in Financial Market) in coordination with the Team of Financial Street. Mock Test is reviewed by Dr. Uma (Professor PHD in Economics).

“THANK YOU”
